मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 93 ■ सोमवार, 23 जून 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

चिंचपाड़ा के खदान में युवक की डूबकर मौत

■ अग्निशमक दल के जवानों ने शव को बाहर निकाला

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के चिंचपाड़ा खदान में एक युवक की गहरे पानी में डूबकर मौत हो गई है. अंबरनाथ अग्निशमक दल के कर्मचारियों ने शाम में युवक के शव को पानी से बाहर निकाला. ये घटना रविवार शाम की है. इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए फायर आफिसर भागवत सोनोने ने बताया कि खदान में डूबे युवक का नाम मोहम्मद अब्दुल शेख (27) जो बालाजी नगर शहर पश्चिम का निवासी है. जैसे ही फायर ब्रिगेड को खबर मिली उनकी टीम घटना स्थल पर पहुंची और अब्दुल शेख को खदान के गहरे पानी से बाहर निकाला. इस घटना को देखने के लिए भारी भीड़ चिंचपाड़ा खदान के आसपास एकत्रित हो गई थी. विदित हो कि इस खदान में हर वर्ष सैकड़ों गणेश विसर्जन किया जाता है. ये पता नहीं चल सका है कि मृतक अब्दुल खदान के पानी में नहा रहा था या उसने आत्महत्या की है. पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई थी. मामले की जांच पुलिस कर रही है.

झा पी. कंपनी द्वारा उल्हासनगर मनपा मुख्यालय हाईजैक!

■ कंपनी को आज मिलेगा निजी स्टाफ भर्ती का ठेका
■ 5 करोड़ 62 लाख के इस ठेके में निजी स्टाफ घुसेंगे हर विभाग में
■ मनपा के हर विभाग में फैला है निजी कंपनी झा.पी के मोनोपोली का जाल
■ राज्य सरकार से सीधा संपर्क का मिल रहा पूरा फायदा!
■ अब निजी स्टाफ खुलकर हर विभाग में करेंगे भ्रष्टाचार
■ कोणार्क से भी कई गुना आगे झा. पी कंपनी

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में जबसे चुंगी व कचरे का निजीकरण हुआ तबसे कोणार्क कंपनी ने अब तक उल्हासनगर मनपा की तिजोरी को पूरी तरह झाड़ मारा लेकिन अब कोणार्क से भी कई गुना आगे एक और कंपनी ने उल्हासनगर मनपा मुख्यालय को ही हाईजैक कर लिया है। नगरपालिका व महानगरपालिका के इतिहास में अब तक इतने ठेके एक ही कंपनी को या मोनोपोली के आधार पर नहीं मिले जितने इन दिनों झा. पी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को मिल रहे हैं। हाल ही में एक सबसे बड़ा घोटाला और चौंकाने वाला टेंडर सामने आया है जिसमें झा.पी कंपनी द्वारा मनपा को अधिकारी से लेकर मजदूर मुहैया कराने 11 महीने के लिए 5 करोड़ 62 लाख 5 हजार 765 रुपए की निविदा भरी गई है जिसकी अवधि आज 23 जून दोपहर 3 बजे तक समाप्त हो रही है। यानी यह ठेका झा. पी कंपनी को मिलना तय बताया जा रहा है। यह ठेका मिलने से झा. पी कंपनी द्वारा स्वच्छता मार्शल, फाइन कलेक्शन, सिविल इंजीनियर, साइट सुपरवाइजर, अकाउंट, एचआर तक निजी लोगों की भर्ती करेंगे जो मनपा के हर विभाग में कार्य करेंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि इस टेंडर से संबंधित

JHA P. & COMPANY
aap ki sanskruti

सामूहिक भर्ती के लिए विज्ञापन झा.पी. द्वारा पहले ही जारी किया जा चुका है। इनको वेतन कंपनी देगी और कंपनी को इनका वेतन मनपा देगी। इस तरह की भर्ती को आज अंतिम रूप मिल रहा है। सूत्रों ने बताया है कि करीब 50 से अधिक लोगों की भर्ती इसमें हो सकती है। मजे की बात यह है कि हमेशा की तरह इस बार भी ठेकों में कुछ इस तरह की शर्तें बताई जाती है जिसमें केवल झा.पी कंपनी ही उसे पूरा कर सकें। यह कार्य पिछले 5 से 6 वर्षों से मनपा के हर विभाग में निकलने वाले ठेके पर लागू होता है। इस एकाधिकार ने छोटे ठेकेदारों को भुखमरी के कगार पर ला खड़ा कर दिया है। ऐसी जानकारी मनपा सूत्रों ने दी है।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा मुख्यालय में पिछले 6-7 वर्षों से झा.पी कंपनी ने बड़े से बड़े ठेके हासिल किए हैं। जिसमें वीटीसी ग्राऊंड का सुशोभीकरण शामिल है। इसके अलावा एमएमआरडीए के कई ठेके, PWD, स्टोर, स्कूल बोर्ड, जल आपूर्ति, दलित वस्ती, प्लास्टिक फ्लाईंग स्कॉड, सड़कों की मरम्मत पाटोल रिपेयरिंग में मोनोपोली जैसे कई महत्वपूर्ण विभागों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। चूंकि झा. पी इन सभी विभागों में कर्मचारियों की आपूर्ति करता है इसलिए गोपनीय आंतरिक विवरण कंपनी के मालिक के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। ठाणे से राजनीतिक संबंध का उपयोग करके अधिकारियों पर दबाव डालकर बड़े से छोटे दोनों तरह के टेंडर एक साथ मिल जाते हैं। फिर ये टेंडर झा. पी को अनुमान से काफी कम दरों पर दिए जाते हैं। अक्सर 20 से 25 % कम पर मिलने की जानकारी मनपा सूत्रों ने दी है।

ज्ञात हो कि मनपा के सबसे भ्रष्ट PWD विभाग में जूनियर इंजीनियर संदीप जाधव सभी कार्यों की देखरेख करते दिखते हैं। उनके अधीन एक ठेकेदार और एक अन्य फोरमैन काम करता है। झा.पी के करोड़ों के बिल बिना किसी उचित पर्यवेक्षण के पास कर दिए जाते हैं। नियमों के अनुसार UMC इंजीनियरों को नियमित रूप से कार्यों की समीक्षा और पर्यवेक्षण करना चाहिए। हालांकि, झा.पी के मामले में बिना किसी साइट चेक या पर्यवेक्षण के बिलों का भुगतान किया जाता है। शिक्षा विभाग में झा.पी. ने अनुमान से 22.50% कम पर 25 लाख के छह टेंडर हासिल किए हैं। राजीव गांधी नगर से हीरा मैरिज हॉल तक नाले के किनारे एक बाउंड्री वॉल बनाने के लिए 5 करोड़ का एक और टेंडर झा.पी. द्वारा लिया गया है। यदि यूएमसी इस काम की ठीक से निगरानी करती है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि यह कार्य बेहद घटिया गुणवत्ता का है। चिंता की बात यह है कि मानसून की शुरुआत के बावजूद, मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश पर नवजीवन बैंक से मयूर होटल के सामने वाली सड़क बरसात के दिनों में खोद दी गई थी इस सड़क के लिए कोई मैनुअल टेंडर, ऑनलाइन टेंडर या आधिकारिक कार्य आदेश जारी नहीं किया गया। अब आनन-फानन में उसे बनाने का कार्य शुरू किया गया है। यह सड़क एक बहुत बड़े भ्रष्टाचार का सबूत है। ऐसा सूत्रों ने हमें बताया है।

आखिर क्यों नतमस्तक हैं मनपा के अधिकारी?

सूत्रों के अनुसार झा.पी कंपनी मनपा में जारी लगभग सभी निविदाओं में भाग लेता है। ठाणे के राजनीतिक दबाव के अलावा, एक पूर्व नगरसेवक को कंपनी में निवेशक भागीदार बताया जाता है। इसके कारण, छोटे निविदाओं को बड़े निविदाओं में शामिल कर दिया जाता है, जिसमें अन्य को बाहर करने के लिए जानबूझकर यह चाल चली जाती है। परिणामस्वरूप, झा.पी. बाजार से कम दरों पर निविदाएं हासिल करने में सफल हो जाता है। बिचौलियों के प्रभाव और ठाणे के राजनीतिक दबाव के कारण, कथित तौर पर बिना किसी वास्तविक काम या यूएमसी अधिकारी की निगरानी के कई फर्जी बिल बनाए गए और भुगतान किए गए। ऐसी जानकारी सूत्रों ने हमें दी है।

क्या मनपा आयुक्त कंपनी को ब्लैक लिस्ट करेंगी ?

पांच माह पूर्व उल्हासनगर मनपा की भागदौड़ संभालने वाली आयुक्त मनिषा आव्हाले को अब तक इस कंपनी के कारोबार की जानकारी मिल गई होगी लेकिन अब तक केवल एक ही कंपनी पर इस तरह की मेहरबानी क्यों हो रही है, क्या अन्य छोटे बड़े ठेकेदार इन्हें दिखाई नहीं देते। क्या आयुक्त इस झा पी. कंपनी पर उच्चस्तरीय जांच बिठाकर कंपनी को ब्लैक लिस्ट करेंगी? या फिर हमेशा की तरह अंत में सब मैनेज हो ही जाएगा। आखिर कब तक इस भ्रष्ट कारोबार को छुपाया जाएगा। इस भ्रष्ट कारोबार की पोल तो खुलनी ही है।

शिवसेना ने महावितरण को दी आंदोलन की चेतावनी

■ गैर-जिम्मेदार प्रबंधन के कारण वित्तीय और मानसिक संकट

उल्हासनगर. उच्च बिजली बिल और मानसून से पहले आवश्यक रखरखाव की कमी से नाराज उल्हासनगर के नागरिकों की समस्याओं को आखिरकार शिवसेना ने अपने हाथ में ले लिया है। नागरिकों के सवालों को सुनने और महावितरण को जगाने के लिए शनिवार को साईंबाबा मंदिर स्थित महावितरण कार्यालय में शिवसेना की ओर से आक्रामक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सीधी चेतावनी दी गई कि यदि बिजली समस्या का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो महावितरण को आंदोलन से झटका लगे बिना नहीं रहेगा।

शिवसेना महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में आयोजित बैठक में महावितरण के कल्याण तेजश्री के मुख्य अभियंता विजय फुंडे और उल्हासनगर के कार्यकारी अभियंता हरीश भराडे भी उपस्थित थे। शहर के विभिन्न वार्डों के लोगों ने बिजली कटौती, समय पर तकनीकी मरम्मत न होने तथा महावितरण के गैरजिम्मेदार प्रबंधन के कारण होने वाली आर्थिक और मानसिक परेशानी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

नागरिकों की शिकायतों के प्रति महावितरण की उदासीनता

इस समय नागरिकों द्वारा की गई मुख्य शिकायतें थीं कि दिन में कई बार बिजली आपूर्ति बाधित होती है, समय पर मरम्मत नहीं की जाती है, बिजली बिल बढ़े हुए और गलत आते हैं, मानसून से पहले ट्रांसफार्मर और लाइन निरीक्षण कार्य में देरी होती है और महावितरण समय पर नागरिकों की शिकायतों का जवाब नहीं देता है। साथ ही, अगर एक महीने के भीतर इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो शिवसेना पूरे शहर में जोरदार विरोध प्रदर्शन करेगी। इस बार यह स्पष्ट चेतावनी शिवसेना ने दी है। इस चेतावनी के बाद महावितरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने नागरिकों की सभी शिकायतों को गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया कि अगले महीने के भीतर सभी तकनीकी और प्रशासनिक त्रुटियों को ठीक कर लिया जाएगा और बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

महावितरण को जिम्मेदार ठहराया जाएगा

बैठक में शिव सेना युवा सेना के शहर अध्यक्ष बाला श्रीखंडे, सामाजिक कार्यकर्ता रवि खिलनानी, उपमहापौर सुरेश सोनावणे, विभाग संगठक आदेश पाटिल सहित सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे. चूंकि प्रशासन और महावितरण ने उल्हासनगर शहर में बिजली की समस्या के समाधान के लिए अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है, इसलिए शिवसेना ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया है। इस बैठक में स्पष्ट रूप से घोषणा की गई कि यदि आगामी कुछ सप्ताह में नागरिकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो शिवसेना आक्रामक आंदोलन के माध्यम से महावितरण को जिम्मेदार ठहराएगी।

उल्हासनगर क्राइम ब्राँच ने शातिर चोर को पकड़ा

■ तीन बाइक, सोना बरामद
■ 15 अपराध दर्ज हैं

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. उल्हासनगर क्राइम ब्रांच ने एक शातिर चोर, बदमाश को पकड़ा है. जिस पर अंबरनाथ, बदलापुर, उल्हासनगर व अन्य पुलिस स्टेशनों में जबरी चोरी, मोटर साइकिल चोरी, घर फोड़ी के 15 अपराध दर्ज हैं.

क्राइम ब्रांच ने शातिर चोर तुषार उर्फ प्रेम व्यंकटेश ढगे (23) को खरवई मैदान बदलापुर पूर्व से पकड़ा है. उसके पास से तीन बाइक, 15 ग्राम सोने का मंगलसूत्र कुल 1 लाख 64 हजार का माल जब्त किया गया है. शनिवार को पुलिस हवलदार भावेकर को गुप्त

जानकारी मिली कि चेन स्नैचिंग व बाइक चोरी करने वाला शातिर चोर बदलापुर पूर्व में है. पुलिस उप निरीक्षक प्रवीण खोचरे, उनकी टीम ने खरवई मैदान बदलापुर जाकर तुषार उर्फ प्रेम ढगे निवासी वांगनी को गिरफ्तार करके उसके पास से 3 चोरी की बाइक बरामद की गई है. उसने एक चेन स्नैचिंग करना भी स्वीकार किया है. ढगे को बदलापुर पश्चिम पुलिस स्टेशन के हवाले किया गया है. उसने अब तक चार अपराध स्वीकारा है. बदलापुर पश्चिम पुलिस स्टेशन, बदलापुर पूर्व, अंबरनाथ पुलिस स्टेशन और हिललाइन पुलिस स्टेशन में किए गए अपराध को उसने स्वीकार किया है. पुलिस उप निरीक्षक प्रवीण खोचरे, पुलिस हवलदार शेखर भावेकर, पुलिस हवलदार सुरेश जाधव, पुलिस रेवणनाथ शेकड़े ने ये कार्रवाई की है.

भिवंडी पुलिस ने हिललाइन में मटके के अड्डे पर मारा छापा

■ ऑनलाइन मटके का चल रहा था अड्डा
■ 4 लोगों को रंगे हाथ पकड़ा

उल्हासनगर. भिवंडी क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि उल्हासनगर शहर के हिललाइन पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर भीड़भाड़ वाले नेताजी चौक में साईं आर्केड बिल्डिंग में एक ऑनलाइन मटका अड्डा चल रहा है, जिसके बाद उन्होंने छापा मारकर चार लोगों को रंगे हाथों पकड़ लिया। हालाँकि, यह चौंकाने वाली और संदिग्ध बात है कि स्थानीय पुलिस को इस प्रकार की जानकारी नहीं थी।

भिवंडी क्राइम ब्रांच ने उल्हासनगर के कैंप नंबर 5 में नेताजी चौक पर साईं आर्केड नामक एक व्यावसायिक इमारत में एक दुकान पर कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान के प्रबंधक शंखू वंदर जाधव (27), कंप्यूटर ऑपरेटर बरकतली शौकत अली शेख (32) और मटका खिलाड़ी सलमान कुतुबुद्दीन खान (23) और रमेश मंगलदास भानुशाली (54) को रंगे हाथों पकड़ा। यहां पर आनलाइन मटके का अड्डा चलाया जा रहा था.

कैदी ने ब्लेड से खुद की गर्दन पर किया वार

कल्याण. कल्याण के आधारवाड़ी जेल में बंद एक कैदी ने आधारवाड़ी जेल क्षेत्र के चौराहे पर एक पुलिस वाहन में अराजकता पैदा करते हुए आक्रामक ढंग से अपने मुंह में छिपाया हुआ ब्लेड निकाला और हिंसक रुख अपनाते हुए पास खड़े दो पुलिस अधिकारियों को धक्का देकर एक तरफ धकेल दिया। उसने धारदार ब्लेड से अपनी गर्दन पर वार कर खुद को घायल कर लिया और सरकारी काम में बाधा पहुंचाई।

यह घटना कल्याण पश्चिम में आधारवाड़ी जेल के बाहर कल्याण-दुर्गाडी फोर्ट रोड पर आधारवाड़ी चौक पर हुई। इस दोषी का नाम सूरज शंकर सिंह उर्फ

वीरेंद्र शंकर मिश्रा (29) है। वह एक आपराधिक मामले में आधारवाड़ी जेल में है। इससे पहले भी उसने कल्याण न्यायालय क्षेत्र में अराजकता फैलाई थी। खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक प्रवीण घुटूगड़े ने सूरज सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

खड़कपाड़ा पुलिस थाने की प्राथमिक सूचना रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि आरोपी सूरज सिंह एक आपराधिक मामले में आधारवाड़ी जेल में बंद है। एक प्रशासनिक निर्णय के अनुसार, आधारवाड़ी जेल प्रशासन ने सूरज सिंह को ठाणे की मध्यवर्ती जेल में रखने का फैसला किया।

पुलिस सूरज सिंह को पुलिस वाहन में ठाणे स्थित मध्यवर्ती जेल ले जा रही थी. वाहन आधारवाड़ी जेल से आधारवाड़ी चौक पहुंचा था कि सूरज सिंह ने उस समय आक्रामक रुख अपनाया. मैं ठाणे जेल नहीं जाना चाहता। मैं आधारवाड़ी जेल में रहना चाहता हूं। यह कहते हुए सूरज ने अचानक अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल हवलदार शेख खरे को, जो सुरक्षा गार्ड के तौर पर उसके बगल में बैठा था, अपनी सीट से धक्का दे दिया। इसी दौरान आरोपी सूरज सिंह ने अपने मुंह में छिपाकर रखा ब्लेड निकाला और अपनी गर्दन पर वार कर लिया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस एक पल के लिए स्तब्ध रह गई, क्योंकि उन्होंने नहीं सोचा था कि सूरज ऐसा कुछ करेगा। इस घटना के बाद पुलिस ने सूरज के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। महिला सहायक पुलिस निरीक्षक एस.एस. सुरवसे मामले की जांच कर रही हैं। पुलिस इंस्पेक्टर एस.एस.शिवले ने घटनास्थल का दौरा किया।

बदलापुर में ट्रेन लेट होने से भड़के यात्री, पटरी पर उतरे

बदलापुर. रेल प्रशासन की कुव्यवस्था के कारण रेल यात्री परेशान हैं.बदलापुर से आने वाली लोकल ट्रेन प्रतिदिन 25 से 30 मिनट देरी से आ रही थी, इसलिए शनिवार को यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा और वे रेलवे ट्रैक पर उतर आए।

बदलापुर के यात्रियों में ऐसा ही गुस्सा शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन पर भी देखा गया। यात्रियों की शिकायत है कि सुबह 5.25 बजे आने वाली कर्जत-सीएसएमटी लोकल ट्रेन हर दिन बदलापुर स्टेशन पर 25 से 30 मिनट देरी से पहुंचती है। हर दिन की तरह शनिवार को भी यह लोकल ट्रेन 25 से 30 मिनट देरी से चल रही थी, इसलिए रोज-रोज की इस परेशानी से तंग आकर कुछ यात्री रेलवे ट्रैक पर उतर आए और अपना गुस्सा जाहिर किया।

अंबरनाथ के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पांढरे का तबादला

■ पुलिस स्टेश की नई इमारत का पुलिस आयुक्त ने लिया जायजा
■ क्राइम पुलिस निरीक्षक किशोर शिंदे को दिया गया चार्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बालाजी पांढरे का तबादला हो गया है. क्राइम पुलिस निरीक्षक किशोर शिंदे को अंबरनाथ का चार्ज दिया गया है. पांढरे को अंबरनाथ आए 6 महिना हो गया था. कुछ दिनों बाद से ही वह अंबरनाथ से अपने तबादले के लिए प्रयास कर रहे हैं. 6 महिने में उन्होंने दो महिने छुट्टियों में ही गुजारे. आखिर उनका तबादला पिंपरी चिंचवड़ में कर दिया गया है. उनके स्थान पर नए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक की नियुक्ति नहीं की गई है. इसलिए अंबरनाथ का चार्ज क्राइम निरीक्षक शिंदे के सुपुर्द किया गया है. ऐसी जानकारी मिल रही है कि शिंदे को ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक का पद दिया जा सकता है. तीन दिनों पूर्व ठाणे के पुलिस आयुक्त आशुतोष ठुंबरे ने अंबरनाथ का दौरा करके नवनिर्मित अंबरनाथ पुलिस स्टेशन की एक मंजिला इमारत को देखा. ये नया पुलिस पुलिस की इमारत बनकर तैयार है. बहुत जल्द इस इमारत में पुलिस स्टेशन को शिफ्ट किया जा सकता है.

विदित हो कि गत दो वर्षों से इमारत निर्माण का कार्य चल रहा था. इस इमारत में सहायक पुलिस आयुक्त का कार्यालय भी होगा. ऐसा हमें बताया गया है. विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के प्रयास से पुलिस स्टेशन की नई इमारत निर्माण के लिए निधि प्राप्त हुई है.

7 महिने की बच्ची का नाम वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड में

उल्हासनगर. उल्हासनगर के प्रख्यात वकील एड. गोपाल भगत की नवासी केवल 7 महिने में तेज चलने लगी है. उसका नाम वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड में दर्ज किया गया है. जिस आयु में बच्चे ठीक ढंग से रेंगना और बैठना भी नहीं जानते हैं, उस आयु में उल्हासनगर के वकील की नवासी आहाना शेख तेज-तेज चलती है. बच्ची के इस जादुई कारनामे के कारण उसका नाम वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड में दर्ज किया गया है. एड. गोपाल भगत की बेटी की शादी मुंबई के आईटी इंजीनियर फरहान शेख से हुई है.

फरहान को 7 महिने पहले एक बच्ची हुई जिसका नाम आहाना शेख रखा गया. जब बच्ची अपने नाना के घर उल्हासनगर आई तो एड. भगत ने देखा कि उनकी नवासी केवल 7 महिने की आयु में बिना गिरे-पड़े तेज-तेज चल रही है. उन्होंने ये देखकर वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड के जिम्मेदारों से संपर्क किया. वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड की टीम ने उल्हासनगर आकर इस कारनामे को देखा और आहाना शेख का नाम वर्ल्ड बुक रिकार्ड में दर्ज करके आहाना को एक सर्टिफिकेट और मेडल भी दिया है.

दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत

कल्याण. कल्याण पूर्व के पुणे लिंक रोड पर एक विचित्र दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। उसका नाम रवि चव्हाण (23, निवासी करपेवाड़ी, कल्याण) है। निखिल (18, म्हसोबा चौक, कल्याण) गंभीर रूप से घायल हो गया है। दुर्घटना शुक्रवार शाम के आसपास घटित हुई। दो पहिया वाहन पर सवार दो युवक तिसगांव नाका से काटेमनीवाली जा रहे थे, तभी विजयनगर क्षेत्र में ओवरटेक करते समय उनका वाहन एक पिकअप ट्रक से टकरा गया। टक्कर से बाइक पर सवार दोनों युवक सड़क पर गिर गए और उसी समय पीछे से आ रहे डंपर का पहिया बाइक के पीछे बैठे युवक रवि चव्हाण के ऊपर चढ़ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई.

अंबरनाथ में शिवसेना द्वारा हजारों विद्यार्थियों में शैक्षणिक साहित्य वितरित

■ गत 25 वर्षों से ये सेवा दी जा रही है -अरविंद वालेकर

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर शिवसेना एवं शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर के सौजन्य से शहर पूर्व और पश्चिम में लगभग 8 हजार छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक साहित्य, कापियां, बैग, कंपास और दो हजार वरिष्ठ नागरिकों में छाते का वितरण किया गया. शहर पूर्व में शिवसेना मुख्य शाखा शिवाजी चौक एवं पस्चिम में खुंटवली शिवसेना शाखा में शनिवार और रविवार को वितरित की गई. इस वितरण कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ नागरिकों की लंबी कतारें देखी गईं. इस अवसर पर अरविंद वालेकर ने कहा कि हम गत 25 वर्षों से विद्यार्थियों में शैक्षणिक साहित्य का वितरण कर रहे हैं. शिवसेना का नारा है 80 प्रतिशत समाज कारण और 20 प्रतिशत राजनीति पर अमर कर रहे हैं. कुछ लोग समाज कारण पर ध्यान ना देते हुए राजकारण ज्यादा कर रहे हैं. वह यहां आकर देख लें कि बालासाहेब ठाकरे ने जो नारा दिया था, वह किस प्रकार है. वह शहरविसायों की सेवा को ही अपना मूलमंत्र मानते हैं. इस कार्यक्रम में अरविंद वालेकर, पूर्व नगराध्यक्ष मनिषा वालेकर, पूर्व नगरसेवक निखिल वालेकर, शिवसेना महिला आघाड़ी, युवा सेना के पदाधिकारी, राजू शिर्के, रूपसिंग धल, नीता परदेसी, शिवाजी गायकवाड़, मालुसरे, दिघे आदि उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

अब तो पद छोड़ें, यशवंत वर्मा

अपने सरकारी आवास में बड़ी संख्या में अधजले नोट मिलने से कठघरे में खड़े उच्च न्यायालय के जज यशवंत वर्मा की जांच करने वाली सुप्रीम कोर्ट समिति की रपट के ऐसे निष्कर्ष बहुत ही गंभीर हैं कि उनका कदाचार साबित हो रहा है और वे पद पर रहने के योग्य नहीं। इस रपट में उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की संस्तुति भी की गई है। ऐसी सिफारिश सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कर दी थी और उसके आधार पर सरकार यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी भी कर रही है, पर उच्चतर न्यायपालिका के जजों के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया लंबी चलती है। महाभियोग प्रस्ताव को संसद के दोनों सदनों से पारित कराना पड़ता है।

आज तक हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के किसी जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, क्योंकि कभी क्षेत्रवाद, जातिवाद की संकीर्ण राजनीति आड़े आ गई और कभी पक्ष-विपक्ष में सहमति ही नहीं बन पाई। पता नहीं इस बार क्या होगा। कहीं जांच समिति की रपट का लीक होना मुद्दा न बन जाए। जो भी हो, न्यायपालिका की छवि के लिए बेहतर यही होगा कि यशवंत वर्मा स्वतः त्यागपत्र दे दें। अधजले नोट कांड के बाद जज यशवंत वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजकर उन्हें न्यायिक कामकाज से विरत कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर इसलिए सवाल उठे थे, क्योंकि उनके खिलाफ जांच के लिए तीन जजों की एक समिति तो बना दी गई थी, लेकिन मामले की छानबीन करने के लिए दिल्ली पुलिस को नहीं कहा गया था। आखिर क्यों? क्या इसलिए कि यशवंत वर्मा उच्च न्यायालय के जज हैं? क्या उच्चतर न्यायालयों के जज कानून से परे होते हैं? यह प्रश्न आज भी है कि आखिर ऐसे जजों पर लगे कदाचार के गंभीर आरोपों की जांच पुलिस को क्यों नहीं करनी चाहिए? यह सही है कि विशेषाधिकार के चलते उच्चतर न्यायपालिका के जजों पर लगे गंभीर आरोपों की जांच पुलिस सीधे नहीं कर सकती और उसे सुप्रीम कोर्ट की अनुमति लेनी होती है, लेकिन यशवंत वर्मा के मामले में तो जांच रिपोर्ट मिल जाने के बाद भी शीर्ष अदालत ने पुलिस को जांच के कोई निर्देश नहीं दिए थे। बात केवल यशवंत वर्मा की ही नहीं है। इसकी पूरी आशंका है कि उनके जैसे कुछ और जज भी हो सकते हैं। इसका कारण यह है कि रह-रहकर उच्चतर न्यायालय के जजों के आचरण को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। ऐसे कुछ जजों को त्यागपत्र देने के लिए कहा गया। कुछ ने विपरीत हालात देखकर त्यागपत्र दे दिया, लेकिन कुछ ने नहीं दिया या पद छोड़ने में देर की।

भारत को लंबे कूटनीतिक एवं सैन्य संग्राम के लिए कसनी होगी कमर

कार्ल मार्क्स ने कहा था, 'इतिहास खुद को दोहराता है-पहले त्रासदी के रूप में और फिर मजाक के रूप में।' कट्टर जिहादी सोच वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष और फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में भोज के लिए बुलाकर और पाकिस्तान से गहरे सामरिक तालमेल की पेशकश करके मार्क्स के कथन को प्रासंगिक कर दिया।

1980-88 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जियाउल हक को गले लगाया था। फिर राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ को। क्या करीब हर 20 वर्षों में खेले जा रहे इस खतरनाक खेल का तीसरा अध्याय अब आरंभ हुआ है? जनरल जिया और मुशर्रफ की तुलना में मुनीर पाकिस्तान के औपचारिक राष्ट्राध्यक्ष नहीं हैं, पर उन्हें उसी तरह का रुतबा हासिल है।

अमेरिका अतीत में भी पेश किए जा चुके भूराजनीतिक तर्कों के आधार पर ही नए सिरे से पाकिस्तान को अपने करीब लाने की कोशिश कर रहा है। रीगन को जिया की जरूरत इसलिए पड़ी थी, क्योंकि वे पाकिस्तान के पड़ोसी देश अफगानिस्तान से सोवियत संघ को वापस धकेलना चाहते थे। अमेरिका को अपने सहायक के रूप में लड़ने के लिए मुजाहिदीन चाहिए थे।

वे पाकिस्तान ने उपलब्ध कराए। जिया खुद जिहादी प्रवृत्ति के थे। एक समय उन्होंने कश्मीर हड़पने के इरादे से भारत के

खिलाफ जिहाद का आह्वान किया था। तब अमेरिका ने इसकी अनदेखी की थी, क्योंकि उसका मकसद साम्यवाद को टक्कर देना था। रीगन की भांति ही बुश ने भी मुशर्रफ को अरबों डालर की आर्थिक और सैन्य मदद देकर अफगानिस्तान में बदलाव के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया। तब अमेरिका को उस कट्टर जिहादी तालिबान की सरकार गिरानी थी, जिसने अमेरिका में 9/11 हमलों के जिम्मेदार ओसामा बिन लादेन को शरण दी थी।

अमेरिका के पैसे और हथियारों से लैस पाकिस्तान ने दोनों बार अपनी उपयोगिता सिद्ध की, पर दोहरा खेल भी खेला। उसने अमेरिका को कुछ हद तक खुश रखते हुए दक्षिण एशिया में जिहादी जहर घोला। उसके इसी पाखंड से ऊबकर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान को सैन्य सहायता पूर्णतः रोक दी थी। 2018 में पाकिस्तान को 'झूठा और धोखेबाज' कहने वाले ट्रंप आज उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। दरअसल विश्व राजनीति में फिर ऐसा मोड़ आया है, जब अमेरिका को अपने भूराजनीतिक लक्ष्यों को साधने के लिए पाकिस्तान की जरूरत आन पड़ी है। इसीलिए वह उसे रिझा रहा है।

पाकिस्तान के पड़ोसी ईरान पर अमेरिका के निकटतम साथी इजरायल ने हमला बोल दिया है। इस हमले का अंतिम उद्देश्य तेहरान में तख्तापलट है। ट्रंप ने मुनीर के साथ बैठक में ईरान पर चर्चा की और यह भी कहा कि इस मामले पर पाकिस्तान 'मुझसे सहमत है।' अमेरिका को लगता है कि शिया ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई जैसे सर्वोच्च नेता की तानाशाही के खात्मे के लिए सुन्नी पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। अमेरिका ने पाकिस्तान को इसके लिए भी शाबाशी दी कि वह अफगान-पाकिस्तान सीमा पर इस्लामिक स्टेट के आतंकियों को पकड़ने और उन्हें मार गिराने में वाशिंगटन का 'अभूतपूर्व साझेदार' बन गया है।

भारत को अंदेशा है कि इस सबके चलते अमेरिका पहलगाम जैसे पाकिस्तानी बर्बर आतंकी कृत्यों की अनदेखी कर सकता है। वैसे तो ट्रंप भारत के आतंक विरोधी अभियान को समर्थन का वादा करते हैं और चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को करीब लाना चाहते हैं, पर यह स्पष्ट ही है कि महाशक्तियों की रणनीति एक देश के हितों तक सीमित नहीं रहती। फिलहाल वाशिंगटन का प्रमुख लक्ष्य ईरान में बदलाव और अमेरिका पर हमला करने की ताक में रहने वाले इस्लामिक स्टेट से निपटना है। अगर मुनीर ट्रंप के साथ सौदा करते हैं और पाकिस्तान अमेरिका से पुनः सैन्य सामग्री और आर्थिक लाभ लेने लगता है तो इससे अमेरिका पाकिस्तान को चीन के साये से भी बाहर निकाल सकता है। अमेरिका का रणनीतिक लक्ष्य व्यापक और बहुआयामी है, जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से मेल खाता नहीं दिख रहा है।

जिस खुशी को हम ढूंढ रहे हैं, वो हमारे भीतर हमारी आत्मा के स्तर पर मौजूद है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जब भाषा बन जाए आत्मसम्मान का सवाल

हर सभ्य और संवेदनशील देश तथा समाज अपनी भाषा और संस्कृति को लेकर सतर्क रहता है। बिना अपनी भाषा का संरक्षण किए, अपनी संस्कृति की सुरक्षा नहीं की जा सकती। इस अर्थ में केंद्रीय गृहमंत्री का भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को लेकर दिया गया बयान महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने दावे के साथ कहा कि आने वाला समय भारतीय भाषाओं का होगा और अंग्रेजी बोलने वाले शर्म करेंगे। उनके बयान से इस उम्मीद को भी बल मिला है कि राष्ट्रभाषा का मसला सुलझ सकता है। अभी हकीकत यही है कि सेतु भाषा के रूप में स्वीकार की गई अंग्रेजी का वर्चस्व अधिक है। सरकारी कामकाज, न्यायालयों, शिक्षा, व्यापार आदि में हालांकि भारतीय भाषाओं का चलन पहले की तुलना में बढ़ा है, पर इतना नहीं कि अंग्रेजी विस्थापित हो सके।

ऐसे में गृहमंत्री का बयान समझा जा सकता है। आजादी के बाद लगभग सर्वस्वीकृत था कि हिंदी राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित हो सकेगी। पर ऐसा होना तो दूर, कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ इसका तालमेल अब तक ठीक से नहीं बन पाया है। अक्सर कुछ राज्यों से हिंदी को लेकर विरोध के स्वर उभरते देखे जाते हैं। तमिलनाडु और महाराष्ट्र का मामला ताजा है, जहां शिक्षा में त्रिभाषा

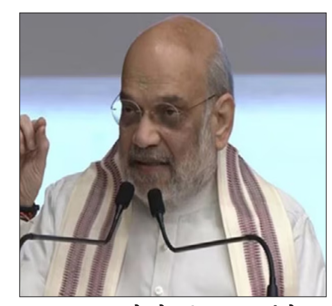

सूत्र लागू करने के लिए संघर्ष देखा गया। हालांकि महाराष्ट्र ने अब हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में मान्यता दे दी है।

आज जब ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में काफी तरक्की हो चुकी है, खासकर शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व बढ़ता ही दिखाई देता है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से सवाल उठते रहते हैं कि इस तरह आखिर भारतीय भाषाओं में ज्ञान के प्रसार का रास्ता प्रशस्त कैसे हो सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार पर बल दिया गया है। मगर यह काम अपनी भाषा में ही संभव हो सकता है। अंग्रेजी में पहले ही बहुत सारी ज्ञान संपदा की गलत व्याख्याओं से सांस्कृतिक धुंधलका छा गया है।

गृहमंत्री का वक्तव्य इस संदर्भ में व्यापक अर्थवत्ता समेटे हुए है। यह सही है कि कई बार बदलते समय के मुताबिक भाषाओं को अपनी उपयोगिता सिद्ध करने में कठिनाई आती है, मगर भाषाओं का अस्तित्व केवल व्यापारिक-वाणिज्यिक जरूरतों से जुड़ा नहीं होता। गृहमंत्री ने इस संदर्भ में साहित्य का महत्त्व रेखांकित किया कि साहित्य हमारे समाज की आत्मा है। यह सदियों से हमारी संस्कृति, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा करता आया है।

कुछ लोगों को सदा से लगता रहा है कि इस तेजी से बदलते दौर में, जब दुनिया विश्वग्राम बन चुकी है, अंग्रेजी के बिना तरक्की संभव नहीं है। मगर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि भारतीय ज्ञान परंपरा को अवरुद्ध या कहीं-कहीं उसकी धारा को पूरी तरह खत्म कर देने में अंग्रेजी का बड़ा हाथ रहा है। जिसे भारतीय आत्मा कहा जाता है, उसकी रक्षा भारतीय भाषा के जरिए ही संभव है। हालांकि गृहमंत्री ने भी स्वीकार किया कि विदेशी पहचानों से मुक्ति पाने में वक्त लगेगा और भारतीय भाषाओं का वास्तविक स्वरूप विकसित होने में कुछ कठिनाई है, पर यह संभव होगा। भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन का जिम्मा चूंकि गृह मंत्रालय पर है, इसलिए यह माना जाना चाहिए कि गृहमंत्री जब अंग्रेजी को विस्थापित कर भारतीय भाषाओं का वर्चस्व स्थापित करने का दावा कर रहे हैं, तो निस्संदेह उनके मन में इसे लेकर कोई ठोस खाका है।

क्यों कहते हैं इस आम को 'लंगड़ा'?

यूपी के सहारनपुर जनपद को मैंगो बेल्ट के नाम से जाना जाता है. यहां पर आम की कई

जरा हट के

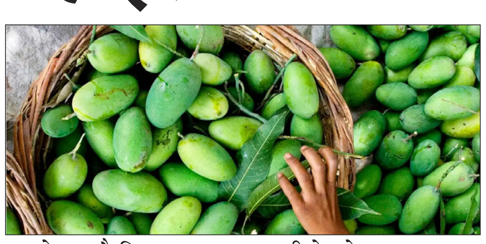

प्रजातियां पाई जाती हैं, लेकिन इन प्रजातियों में भी एक सबसे खास है, जिसे सहारनपुर की पहचान जुड़ी है. इस आम के लिए सहारनपुर खासतौर पर जाना जाता है. उस आम का नाम है "लंगड़ा". लेकिन क्या आपको पता है कि इस आम का नाम "लंगड़ा" क्यों पड़ा. इसकी कहानी काफी रोचक है. आइये जानते हैं. "लंगड़ा आम" को बनारसी लंगड़ा के नाम से भी जाना जाता है. 250-300 साल पहले बनारस (वाराणसी) में एक पुजारी ने इसे उगाया था. यह आम अपनी अनूठी सुगंध और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है और पकने के बाद भी हरे रंग का रहता है. सहारनपुर में "लंगड़ा आम" की बड़ी संख्या में पैदावार होती है. यहां से ये आम देश-दुनिया में भेजा जाता है.

हुआ यूं कि...

सहारनपुर के प्राकृतिक किसान आचार्य राजेंद्र अटल कहते हैं कि उनके यहां भी बनारसी लंगड़े आम के नाम से एक प्रजाति लगी है. इस "लंगड़ा आम" का इतिहास भी काफी पुराना है. कहा जाता है कि बनारस के एक प्राचीन शिव मंदिर में कभी एक पुजारी रहते थे, जो पैरों से दिव्यांग थे. लोग उन्हें "लंगड़ा पुजारी" कहते.

जब राजा को आया इतना पसंद...

पुजारी ने अपने आश्रम में आम का एक पेड़ लगा रखा था, जब आसपास के बच्चे उस पेड़ पर लगे आम को तोड़ने के लिए पत्थर मारते थे तो लंगड़ा पुजारी उन बच्चों के पीछे डंडा लेकर दौड़ता. धीरे-धीरे ये किस्सा पूरे नगर में प्रसिद्ध हो गया और लोग उसे लंगड़े वाला आम कहने लगे. यह खबर उस समय के तत्कालीन राजा के पास पहुंची और राजा ने भी उस आम को मंगवाया. उसे देखा, परखा और खाया. राजा को उस आम का स्वाद इतना पसंद आया कि उसने लंगड़े पुजारी के नाम पर उसका नाम "लंगड़ा आम" रख दिया. राजा ने उस आम के पेड़ से दूसरे पेड़ भी तैयार कराए.

सोया करी

खाना-खजाना

सोया करी खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाना भी बेहद आसान है। आप इसे मेहमानों को भी सर्व कर सकती हैं।

सामग्री :

- सोया चंक्स एक कप
- नमक 1/2 चम्मच
- प्याज 2 बारीक कटा हुआ
- टमाटर 2 बारीक कटा या प्यूरी
- अदरक-लहसुन का पेस्ट डेढ़ चम्मच
- हरी मिर्च बारीक कटी हुई
- तेल 2-3 चम्मच
- जीरा आधा चम्मच
- हल्दी पाउडर आधा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच
- धनिया पाउडर डेढ़ चम्मच
- गरम मसाला आधा चम्मच
- कसूरी मेथी एक चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- हरा धनिया गार्निशिंग के लिए

विधि :

3 कप पानी में थोड़ा नमक डालकर सोया चंक्स को उबाल लें। उबलते पानी में सोया चंक्स डालें और 8 से 10 मिनट तक पकाएं। फिर पानी निकालें, ठंडा पानी डालकर धो लें और हल्के दबाकर सारा पानी निचोड़ लें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। जीरा डालें और तड़कने दें। फिर अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च और प्याज डालें। प्याज को सुनहरा भूरा होने तक भून लें। अब टमाटर या टमाटर प्यूरी डालें और सभी मसाले मिक्स करके डाल दें। मसाला तब तक भूनें जब तक तेल किनारे छोड़ने लगे। अब उबले हुए सोया चंक्स डालें और मसालों के साथ चार से पांच मिनट तक अच्छे से भूनें। अब जरूरत के हिसाब से 1 से डेढ़ कप पानी डालें। नमक मिलाएं इसको ढककर आठ से दस मिनट के लिए मध्यम आंच पर पका लें। आखिरी में गरम मसाला और कसूरी मेथी डालकर अच्छे से मिला लें। ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं। इसे रोटी या पराठा के साथ गर्मागरम सर्व करें।

क्या बच्चों को भी होती है थायरॉइड की बीमारी?

आपके बच्चे में भी तो नहीं हैं ऐसे कोई लक्षण

- थायरॉइड की समस्या हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ी है, ये शरीर को कई प्रकार से प्रभावित करने वाली हो सकती है। ये एक ऐसी बीमारी है, जिसे अक्सर हम बड़ों की समस्या मान लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये बीमारी बच्चों को भी हो सकती है?
- मेडिकल रिपोर्ट्स पर नजर डालें तो पता चलता है कि बड़ी संख्या में बच्चों में भी थायरॉइड की समस्या देखी जा रही है। स्कूल जाने की उम्र वाले बच्चों में ये सबसे आम है। एक अनुमान के मुताबिक 1,000 में से लगभग 37 बच्चों को थायरॉइड की बीमारी हो सकती है। अगर समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो ये बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है।
- आइए जानते हैं कि बच्चों में थायरॉइड क्यों होता है और इसके क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं?

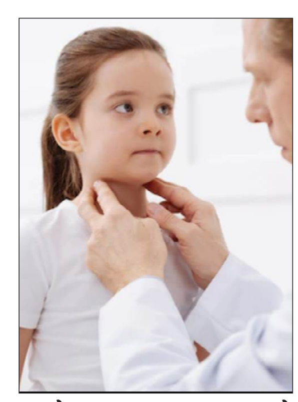

बच्चों को इस रोग से कैसे बचाएं...

- कुछ बातों का ध्यान रखकर आप बच्चों को थायरॉइड की समस्या से बचा सकते हैं। डॉक्टर की सलाह पर नवजात स्क्रीनिंग टेस्ट कराएं। जन्म के तुरंत बाद TSH और T4 की जांच कराना ये पता करने में मदद करता है कि कहीं बच्चे को जन्मजात ये समस्या तो नहीं है।
- आयोडीन युक्त नमक का सेवन कराएं, आयोडीन थायरॉइड के ठीक तरीके से काम करते रहने के लिए जरूरी है।
- बच्चे के विकास और व्यवहार पर नजर रखें, कोई असामान्यता दिखे तो डॉक्टर से जांच कराएं।
- परिवार में पहले से किसी की थायरॉइड की समस्या रही हो विशेष सावधानी बरतें।
- बच्चों को संतुलित और पोषक आहार (विटामिन ए-डी, आयरन) से भरपूर आहार दें।

थायरॉइड और इसके जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, थायरॉइड एक तितली के आकार की ग्रंथि है जो गले के आगे की ओर स्थित होती है। यह ग्रंथि कई महत्वपूर्ण हार्मोन्स बनाती है जो शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने के लिए जरूरी हैं। जब ये हार्मोन कम या ज्यादा बनने लगते हैं, तो थायरॉइड की समस्या उत्पन्न होती है।

जब बात बच्चों में भी थायरॉइड की समस्या को हो तो इसके अधिकतर मामले जन्मजात देखे जाते हैं, ये बाद में भी विकसित हो सकती है।

बच्चों में थायरॉइड की पहचान कैसे करें?

थायरॉइड के लक्षण बच्चों में उम्र के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। सभी माता-पिता को इसपर ध्यान देते रहना जरूरी है। बच्चों में हाइपोथायरायडिज्म (हार्मोन्स का उत्पादन कम होने) के कारण आमतौर पर कब्ज, त्वचा में सूखापन, थकान, अधिक ठंड लगने, बालों के झड़ने, अनियमित मासिक धर्म (लड़कियों में), याददाश्त या ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसी समस्या अधिक देखी जाती रही है।

यदि इस तरह की दिक्कतें आपके बच्चों को भी हो रही हैं तो समय रहते डॉक्टर से मिलकर इसकी जांच करा लें।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, थायरॉइड की समस्या बच्चों में भी गंभीर रूप ले सकती है, लेकिन समय रहते पहचान और इलाज से इसे पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है। नवजात की जांच से लेकर सही आहार और जीवनशैली तक, हर कदम पर सतर्कता जरूरी है। यदि आपका बच्चा सुस्त रहता है, ठीक से विकास नहीं कर रहा या पढ़ाई में पिछड़ रहा है, तो इसे 'आलस' या 'धीमा स्वभाव' समझने की बजाय एक बार डॉक्टर से मिलकर थायरॉइड टेस्ट जरूर करवाएं।

आज का राशिफल

मेष : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृषभ : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन : व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं।

कर्क : कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा।

सिंह : तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या : यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

तुला : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक : कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु : किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे।

मकर : परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें।

कुंभ : जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

मीन : किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

नींबू के छिलकों से आसान हो जाएंगे काम

नींबू का रस निचोड़ने के बाद अक्सर हम उसके छिलकों को फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये छिलके भी कई कामों में इस्तेमाल हो सकते हैं? नींबू के छिलकों में सिट्रिक एसिड और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो सफाई से लेकर बदबू हटाने तक के लिए बेहद फायदेमंद हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप नींबू के छिलकों का इस्तेमाल घर के कई कामों में कर सकते हैं।

नींबू के छिलकों का कैसे करें इस्तेमाल?

फ्रिज की बदबू दूर करें

फ्रिज में कई बार खाने-पीने की चीजों की गंध जमा हो जाती है, जिससे बदबू आने लगती है। नींबू के छिलके फ्रिज की इस बदबू को दूर करने में मददगार हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

नींबू के छिलकों को फ्रिज के अंदर रख दें। इन छिलकों को एक कटोरी में रखकर बेकिंग सोडा के साथ मिला दें, इससे फ्रिज की गंध जल्दी खत्म होगी। छिलकों को 2-3 दिन बाद बदल दें, ताकि फ्रेश खुशबू बनी रहे।

किचन सिंक की सफाई

किचन सिंक में ग्रीस और खाने के टुकड़े जमा होने से बदबू और चिपचिपाहट हो जाती है। इन्हें साफ करने के लिए नींबू के छिलकों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

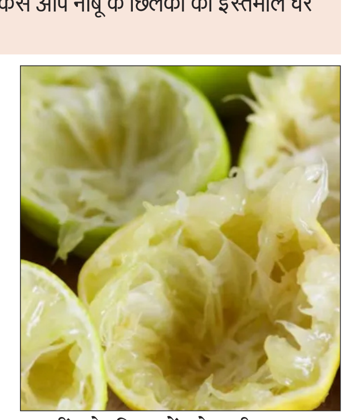

नींबू के छिलकों को बारीक काटकर सिंक में ड्रेन के आसपास रगड़ें। छिलकों को नमक के साथ मिलाकर स्क्रब करने से सिंक चमक जाएगा।

बर्तनों की चिपचिपाहट दूर करने में

तेल और मसालों के कारण बर्तनों में चिपचिपापन हो जाता है, जिसे साफ करना मुश्किल होता है। नींबू के छिलके इसमें भी काम आते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

गर्म पानी में नींबू के छिलके डालकर बर्तनों को भिगो दें, इससे ग्रीस आसानी से निकल जाएगी। छिलकों को सीधे बर्तन पर रगड़ने से चिपचिपापन दूर होता है। नींबू के छिलकों को बेकिंग सोडा के साथ पेस्ट बनाकर बर्तनों पर लगाएं और साफ करें।

तांबे के बर्तनों को चमकाने में

तांबे के बर्तन समय के साथ काले पड़ जाते हैं, लेकिन नींबू के छिलके इन्हें फिर से चमका सकते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

नींबू के छिलकों को नमक के साथ मिलाकर तांबे के बर्तनों पर रगड़ें। छिलकों को पानी में उबालकर इस पानी से बर्तनों को साफ करें, चमक वापस आ जाएगी। नींबू के छिलके और विनेगर तांबे को चमकाने में मदद करता है।

ऐसे भी कर सकते हैं इस्तेमाल

माइक्रोवेव की सफाई- नींबू के छिलकों को पानी में उबालकर माइक्रोवेव में रखें, फिर पोंछ लें।

कॉफी मग की दाग साफ करना- छिलकों को रगड़ने से कॉफी के दाग हटते हैं।

हाथों की गंध दूर करना- प्याज या लहसुन काटने के बाद हाथों पर नींबू के छिलके रगड़ें।

आम की गुठली के फायदे

आम का सीजन इस समय चल रहा है और आम फलों का राजा होता है. लेकिन आम की गुठली के फायदे जानकर आप चौंक जाएंगे. इसका इस्तेमाल करने से शरीर पर चौंकाने वाले फायदे देखने को मिलते हैं और आसानी से उपलब्ध होने वाली आम की गुठली का इस्तेमाल प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए. यह शरीर में गंदे कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकलने का काम करती है. बदलते मौसम में स्किन पर होने वाली समस्याओं में तेजी से राहत देने के साथ त्वचा को चमकदार बनाने का काम करती है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता

आम की गुठली पाचन शक्ति को मजबूत करने के साथ शरीर को ताकत देने का काम करती है. वही आम की गुठली रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करती है, जिससे शरीर में बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है और बीमारी शरीर से दूर रहती है. वही यह दिल के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उपयोगी है और इसका इस्तेमाल करना भी बहुत ही आसान होता है.

कैसे करें इस्तेमाल

आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ राघवेंद्र चौधरी ने बताया कि आम की गुठली का इस्तेमाल आप सूखाकर उसका पाउडर बनाकर दूध और पानी के साथ इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके चूर्ण को आप जूस में मिलाकर या इसका काढ़ा बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं. यह बालों के स्वास्थ्य के लिए भी चौंकाने वाली औषधि है. इसका इस्तेमाल प्रत्येक व्यक्ति इस्तेमाल कर स्वास्थ्य लाभ ले सकता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लखनऊ में युवती से छेड़खानी, विरोध करने पर गलत रास्ते में छोड़कर भागा कैब ड्राइवर

लखनऊ. यूपी की राजधानी में आशियाना से आलमबाग जाने के लिए कैब में बैठी युवती से ड्राइवर ने छेड़छाड़ की। विरोध करने पर ड्राइवर गलत रास्ते की तरफ युवती को ले जाने लगा। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपित ने गाली दी। फिर युवती को बीच रास्ते में उतार कर भाग गया। आशियाना निवासी युवती के मुताबिक शुक्रवार को उसे आलमबाग जाना था। इसके लिए कैब बुक की थी। पीड़िता के मुताबिक कैब ड्राइवर करीब 15 मिनट के बाद उनके घर पहुंचा। कार में बैठते ही युवती को ड्राइवर के नशे में होने का शक हुआ। हालांकि उस वक्त युवती ने कुछ नहीं कहा। पीड़िता के मुताबिक घर से थोड़ी दूर पहुंचते ही ड्राइवर आपत्तिजनक शब्द बोलने लगा। जिससे युवती असहज हो गई। उसने ड्राइवर को फटकार लगाई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि ड्राइवर ने कार अचानक से गलत रास्ते पर मोड़ दी थी। जिसके कारण पीड़िता घबरा गई।

घर में अकेली 5 साल की बच्ची को फुसलाकर साथ ले गया पड़ोसी, दरिंदगी के बाद फरार

आजमगढ़. यूपी के आजमगढ़ के मेंहनगर क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार की शाम पांच वर्षीय बच्ची के साथ पड़ोस के युवक ने दुष्कर्म किया। घटना के वक्त बच्ची के माता-पिता घर पर नहीं थे। आरोप है कि पड़ोसी बहलाकर बच्ची को अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। हालत बिगड़ने पर बच्ची को जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। घटना के बाद आरोपी घर छोड़कर फरार हो गया है। घटना को लेकर इलाके के लोगों में आक्रोश है। 5 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी करने वाले के खिलाफ लोग सख्त से सख्त कार्रवाई चाहते हैं।

भरे बाजार नकाबपोश हमलावरों ने बसपा नेता को मारी गोली, हवाई फायरिंग करते हुए फरार

मेरठ. यूपी के मेरठ में मवाना के गोल मार्केट में लिबर्टी शोरूम के मालिक और बसपा नेता को बाइक सवार नकाबपोश हमलावरों ने शनिवार रात 10 बजे सरेआम गोली मार दी। घटना के समय अपने साढ़ू के साथ शोरूम मालिक बाइक से घर जा रहे थे। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। वहीं, घायल को तुरंत ही पहले सीएचसी और इसके बाद मेडिकल कॉलेज मेरठ भर्ती कराया गया। पुलिस भी सूचना पर मौके पर दौड़ी, जिसके बाद आरोपी हमलावरों की तलाश शुरू की गई। फिलहाल हमलावरों का कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। बसपा नेता इमरान इलाही उर्फ बबलू अंसारी मवाना के ही मोहल्ला कल्याणसिंह का निवासी है। इमरान इलाही का बाजार में ही लिबर्टी शोरूम है।

अमेरिका ने ईरान के एटमी ठिकानों पर की बमबारी

ईरान का इजराइल पर 35 मिसाइलों से जवाबी हमला, 14 शहरों में 86 घायल

तेल अबीब. अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ।

ट्रम्प ने ईरान पर हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स 'obliterate' यानी कि पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे।

अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (IRGC) ने कहा कि उन्होंने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है और 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया है।

वहीं, टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री और रिहायशी ठिकानों पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। इजराइल में अब तक 86 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

ईरान में अब तक 657, इजराइल में 24 की मौत

इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 10वां दिन है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। हालांकि, ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिक के मारे जाने और 3,500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है।

'फिलिस्तीनियों का कसाई, नरसंहार कर रहा है'

- ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद ओवैसी किस पर भड़के

नई दिल्ली. AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की सिफारिश की कड़ी आलोचना की। यह बयान अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु ठिकानों पर हवाई हमले के बाद आया है। लोकसभा सांसद ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान ने ट्रंप का समर्थन एक संप्रभु राष्ट्र पर बमबारी देखने के लिए किया था। उन्होंने रविवार को हैदराबाद में कहा, 'पाकिस्तानियों से पूछना चाहिए कि क्या इसके लिए वे ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देना चाहते हैं?' मालूम हो कि अमेरिका ने ईरान के नतांज, इस्फहान और फोर्डो में परमाणु स्थलों पर हवाई हमले किए हैं।

असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, 'क्या पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ लंच किया था? आज इन सबकी पोल खुल गई है।' उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भी आलोचना की।

ओवैसी ने कहा कि अमेरिका के इस हमले से नेतन्याहू को फायदा हुआ है, जिन्हें उन्होंने फिलिस्तीनियों का कसाई करार दिया। ओवैसी ने कहा, 'यह व्यक्ति फिलिस्तीनियों का नरसंहार कर रहा है और वेस्ट बैंक व गाजा में जातीय सफाई कर रहा है। इतिहास उन्हें फिलिस्तीनियों के कसाई के रूप में याद रखेगा।'

भारत पर असर को लेकर क्या बोले ओवैसी

हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने चेतावनी दी कि अगर इस क्षेत्र में पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ता है, तो भारत के लिए गंभीर नतीजे होंगे। उन्होंने कहा, 'हमें यह भी याद रखना चाहिए कि खाड़ी और मध्य पूर्व में 1.6 करोड़ से अधिक भारतीय रहते हैं। अगर वहां युद्ध छिड़ता है, जो दुर्भाग्य से बहुत संभावित है, तो वहां रहने वाले भारतीयों पर इसका गंभीर असर पड़ेगा।' उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारतीय कंपनियों ने वहां भारी निवेश किया है और इस क्षेत्र से विदेशी निवेश का बड़ा हिस्सा आता है।

एक और विमान हादसा होते-होते बचा

- पायलट ने दिया Mayday का मैसेज

बेंगलुरु. अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एक और हादसा होते-होते बचा। इंडिगो की गुवाहाटी-चेन्नई फ्लाइट की बेंगलुरु में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। एनडीटीवी के सूत्रों के अनुसार, ईंधन कम होने की वजह से फ्लाइट के पायलट ने Mayday का भी मैसेज भेजा। हालांकि, राहतभरी बात यह रही कि विमान बेंगलुरु में सुरक्षित लैंड कर गया। यह पूरी घटना गुरुवार की है, लेकिन शनिवार को इस बारे में जानकारी मिली। 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था। उस दौरान भी पायलट्स ने Mayday का मैसेज भेजा था।

इंडिगो के इस विमान में 168 यात्री सवार थे। 19 जून को रात 8:15 बजे विमान बेंगलुरु में उतरा। विमान के दोनों पायलटों को रोस्टर से हटा दिया गया है। विमान के पायलट ने शाम करीब 7:45 बजे चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरने का प्रयास किया था, लेकिन लैंडिंग का प्रयास रद्द कर दिया और बेंगलुरु की ओर जाने का फैसला किया। वहीं, 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर उतरने से करीब 35 मिनट पहले पायलट ने अपर्याप्त ईंधन के कारण संकट की सूचना दी।

सूत्रों के हवाले से बताया गया कि संकट की सूचना मिलने के बाद, हवाई यातायात नियंत्रण, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं को सक्रिय किया गया और विमान को रात करीब 8:15 बजे सुरक्षित तरीके से उतारा गया। एक यात्री ने कथित तौर पर कहा कि चेन्नई में उतरने की कोशिश करने के बाद विमान ने अचानक और तीव्र गति से रास्ता लिया, जिससे उनमें से कई लोग घबरा गए। Mayday मैसेज विमान के पायलट उस समय भेजते हैं, जब पूरी तरह से इमरजेंसी होती है। उनके पास कोई दूसरा रास्ता नहीं होता है। ऐसे में एटीसी को मेडे का मैसेज भेजकर उन्हें विमान के लिए आई हुई इमरजेंसी के बारे में अवगत करवाया जाता है।

सोनम इंदौर के जिस फ्लैट में रुकी,वहां से बैग गायब

- 5 लाख रुपए कैश और एक पिस्टल थी
- बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार

इंदौर. इंदौर के देवास नाका स्थित हीराबाग कॉलोनी में लोकेंद्र सिंह तोमर से बिल्डिंग ठेके पर लेकर किराए पर चलाने वाले शिलाम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने शनिवार को हिरासत में लिया बाद में सबूतों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। शिलाम पर सबूत छिपाने का आरोप है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि शिलाम की मेडिकल जांच कराई जाएगी। ट्रांजिट रिमांड के बाद उसे शिलॉन्ग ले जाया जाएगा।

दरअसल, पुलिस को जांच में पता चला था कि जी-1 फ्लैट, जहां सोनम रुकी थी, वहां से एक बैग गायब किया गया है। इस बैग में करीब 5 लाख रुपए नकद और एक पिस्टल थी, जो सिकलीगरों से खरीदी गई थी। मे

दो दिन से पूछताछ टाल रहा था शिलाम

शिलॉन्ग पुलिस ने बताया कि आरोपी विशाल ने पूछताछ में कबूला था कि उन्होंने राजा की हत्या की योजना बनाई थी। इसके लिए फ्लैट में एक बैग में 5 लाख रुपए और एक पिस्टल रखी गई थी। पुलिस को आशंका है कि फ्लैट की दूसरी चाबी से ताला खोलकर शिलाम जेम्स वह बैग अपने साथ ले गया। शिलॉन्ग पुलिस और क्राइम ब्रांच दो दिन से शिलाम को पूछताछ के लिए बुला रही थी, लेकिन वह नहीं पहुंचा। शनिवार को उसकी लोकेशन ट्रेस करने के बाद पुलिस ने देवास नाका क्षेत्र से उसे हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए साथ ले गई। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

ऑनलाइन ऑटो बुक किया, बैग भिजवाया

शिलॉन्ग पुलिस को पता चला कि नंदबाग निवासी ऑटो चालक सुनील उछावने का रिक्शा विशाल ने 31 मई को ऑनलाइन बुक किया था। विशाल ने एक बैग ऑटो में रखवाया और उसे हीराबाग पहुंचाने के लिए कहा। करीब एक घंटे बाद ऑटो पहुंचा तो एक युवक ने पैसे देकर वह बैग ले लिया। बाद में जब पुलिस ने फ्लैट की तलाशी ली, तो बैग वहां नहीं मिला। वहीं, सीसीटीवी फुटेज देखने पर शिलाम अपनी कार में बैग ले जाता नजर आया।

यूके से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान को धमकी; सऊदी अरब में इमर्जेंसी लैंडिंग

यूके के बर्मिंघम से दिल्ली आ रहे एअर इंडिया के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद इसे आनन-फानन में सऊदी अरब के रियाद में लैंड करवाया गया है। जानकारी के मुताबिक AI114 को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसके बाद विमान की इमर्जेंसी लैंडिंग करवाई गई और इसकी सुरक्षा जांच की गई। जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई है।

एअर इंडिया ने कहा कि रियाद से यात्रियों को दिल्ली लाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। एअर इंडिया ने कहा कि सभी यात्रियों के रुकने की व्यवस्था कर दी गई है। बता दें कि 12 जून के अहमदाबाद में विमान हादसे के बाद एअर इंडिया के विमानों की जांच बढ़ा दी गई है। इसके अलावा मध्य एशिया में एयर स्पेस प्रतिबंधों की वजह से भी विमान सेवाओं में देरी हो रही है। एअर इंडिया ने ऐसे हालात में विमानों की कमी की बात कही थी।

बता दें कि एअर इंडिया के विमानों को बम से उड़ाने की धमकी को लेकर जयपुर में भी मुकदमा दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अज्ञात लोगों ने जयपुर एयरपोर्ट पर व्हाट्सऐप के जरिए एअर इंडिया के विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी है।

कश्मीर में वंदे भारत फुल 25 जुलाई तक वेटिंग लिस्ट

- हवाई किराया 50% घटा

श्रीनगर. कटरा से श्रीनगर के बीच शुरू वंदे भारत को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। सात जून को शुरू दो जोड़ी ट्रेनें 25 जुलाई तक लगभग फुल हैं। अब हर दिन बुकिंग की मांग और बढ़ रही है।

IRCTC के रिजर्वेशन पोर्टल पर 25 जुलाई से पहले इनमें लंबी वेटिंग या नो रूम है। इसके बाद सीटें खाली हैं, हालांकि तेजी से रिजर्वेशन हो रहे हैं।

दरअसल, इन ट्रेनों ने घाटी में आवागमन का नया विकल्प दिया है, जिससे पर्यटकों और व्यापारियों को राहत मिली है। विमान से किराया कम होने से बड़ी संख्या में पर्यटक ट्रेन से जाना पसंद कर रहे हैं। इससे हवाई उड़ानों की संख्या भी आधी रह गई है। पहलगाम हमले से एक दिन पहले (21 अप्रैल) श्रीनगर से 104 उड़ानें (52 आगमन, 52 प्रस्थान) थीं। इनसे 19,641 यात्रियों ने सफर किया था। पर 22 अप्रैल और उसके बाद ट्रेन सेवा शुरू होने से उड़ानें घटी हैं। फिलहाल रोज 48 से 52 फ्लाइट्स हैं। श्रीनगर एयरपोर्ट पर 19 जून को 4,293 यात्री पहुंचे और 3,724 ने उड़ान भरी। विमानों में 15% तक सीटें खाली बच रही हैं। एक एयरलाइन कंपनी के अधिकारी ने कहा, ट्रेन के कारण उड़ाने और यात्री कम हुए हैं। विमानन कंपनियों ने फिलहाल 50% उड़ानें कम कर दी हैं।

पहले दिल्ली-श्रीनगर विमान किराया 12 से 15 हजार रुपए था। हालांकि, वंदे भारत शुरू होने के बाद 6 से 8 हजार रुपए रह गया है।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने को लेकर सख्त हुए फारुख अब्दुल्ला

- सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

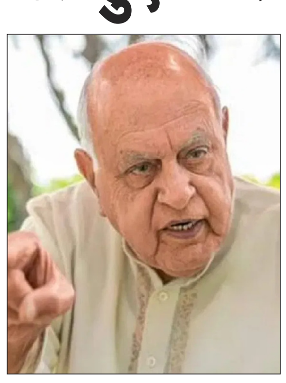

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर अब नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारुख अब्दुल्ला की हिम्मत जवाब देने लगी है। शनिवार को उन्होंने केंद्र सरकार को संकेत देते हुए कहा कि अगर राज्य का दर्जा बहाल करने में इसी तरह से देरी होती रही तो उनकी पार्टी के पास सुप्रीम कोर्ट जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। इससे पहले फारुख अब्दुल्ला के बेटे और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस सवाल पर कहा था कि उन्हें पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर भरोसा है वह जल्दी ही राज्य का दर्जा बहाल करेंगे।

मीडिया से बात करते हुए फारुख अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर की सरकार को बने हुए आठ महीने हो गए हैं। मुझे उम्मीद है कि जब यहां राज्य का दर्जा बहाल होगा तो हमें अधिकार भी मिलेंगे.. हमारा रुख यह है कि हम राज्य का दर्जा मिलने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन अगर इसमें इसी तरह से देरी होती रही तो हमारे पास सुप्रीम कोर्ट जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा

जम्मू-कश्मीर की सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उनकी पार्टी लगातार केंद्र के ऊपर राज्य का दर्जा बहाल करने का दबाव बना रही है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया था और इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों के रूप में तोड़ दिया था। जिसमें एक हिस्सा जम्मू-कश्मीर है, तो वहीं दूसरा हिस्सा लद्दाख है।

शनिवार को एनसी के मुख्यालय पर हुए उनकी कार्यसमिति की बैठक में सभी सदस्यों ने एक जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। समिति के लोगों ने कहा कि विशेष दर्जा राज्य के लोगों की आकांक्षाओं और सम्मान का केंद्र है और इसे बिना किसी देरी के संबोधित किया जाना चाहिए। हम इसकी बहाली के लिए संघर्ष करना जारी रखेंगे।

शाहरुख खान के बंगले पर BMC-फॉरेस्ट विभाग की जांच

- नियमों के उल्लंघन की शिकायत
- दो मंजिल बढ़ाई जा रहीं

मुंबई. मुंबई के बांद्रा बैंडस्टैंड इलाके में स्थित शाहरुख खान के बंगले मन्नत की शुक्रवार को जांच की गई। यह कार्रवाई फॉरेस्ट विभाग और बीएमसी की टीम ने की। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, कार्रवाई का कारण तटीय नियमन क्षेत्र (CRZ) के नियमों के उल्लंघन की शिकायत थी। शाहरुख खान का यह बंगला समंदर के किनारे है। बता दें कि मन्नत एक हेरिटेज प्रॉपर्टी है। इसमें एक मुख्य बंगला और उसके पीछे एक बहुमंजिला एनक्स बिल्डिंग है। मौजूदा समय में एनक्स बिल्डिंग में दो अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण हो रहा है। शाहरुख और उनका परिवार फिलहाल पास के किसी अन्य स्थान पर रह रहा है। टीम को मौके पर स्टाफ मिला। स्टाफ ने अधिकारियों को बताया कि सभी मंजूरियां पहले ली गई हैं। दस्तावेज भी जल्द सौंपे जाएंगे।

शाहरुख की मैनेजर ने कहा- कोई शिकायत नहीं है

वहीं, शाहरुख खान की मैनेजर पूजा डडलानी ने कहा कि कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने बताया कि निर्माण तय दिशा-निर्देशों के अनुसार चल रहा है।

फॉरेस्ट विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि शिकायत मिलने के बाद टीम ने मौके पर जायजा लिया। अब इसके आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। वहीं, बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि वे फॉरेस्ट विभाग के अनुरोध पर वहां मौजूद थे। उनकी कोई अन्य भूमिका नहीं थी।

बता दें कि सामाजिक कार्यकर्ता संतोष डाउंडकर ने पहले बीएमसी को इस निर्माण को लेकर शिकायत दी थी।

पूर्व आईपीएस अधिकारी ने उठाए सवाल

पूर्व आईपीएस अधिकारी और वकील वाईपी सिंह ने भी शुक्रवार को इस निर्माण पर सवाल उठाए। सिंह ने कहा कि मन्नत का मूल नाम विला विएना था। यह एक हेरिटेज स्ट्रक्चर है। बाद में इसका नाम बदला गया। सिंह के अनुसार, 2005 में बंगले के पीछे सात मंजिला इमारत बनाई गई। उस समय अर्बन लैंड सीलिंग एक्ट लागू था। इसके तहत बड़ी इमारत नहीं बन सकती थी। इस स्थिति से बचने के लिए बीएमसी से 12 छोटे फ्लैट्स की मंजूरी ली गई। मंजूरी मिलने के बाद इन फ्लैट्स को जोड़कर एक बड़ा लग्जरी घर बना दिया गया।

ऋषभ पंत बतौर विकेटकीपर हाईएस्ट सेंचुरी वाले भारतीय

- शतक के बाद जंप करके सेलिब्रेट किया

लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 3 विकेट खोकर 209 रन बना लिए हैं। शनिवार को भारतीय टीम 471 रन बनाकर ऑलआउट हुई। ऋषभ पंत बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने सिक्स से सेंचुरी पूरी की, उसके बाद जंप करके सेलिब्रेट किया। जसप्रीत बुमराह की बॉल पर बेन डकेट के 2 और ओली पोप का एक कैच छूटा।

23 साल बाद इंग्लैंड में एक पारी में 3 भारतीय बैटर्स के शतक एशिया से बाहर एक ही टेस्ट पारी में तीन भारतीय बल्लेबाजों द्वारा 4 बार शतक लगाया है। सबसे पहले 1986 में सिडनी टेस्ट में गावस्कर, श्रीकांत और मोहिंदर अमरनाथ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाए। 2002 में हेडिंग्ले में द्रविड़, तेंदुलकर और गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ यह कमाल किया था। 2006 में वेस्टइंडीज के ग्रोस आइलेट मैदान पर सहवाग, द्रविड़ और मोहम्मद कैफ ने शतक जमाए थे। वहीं हेडिंग्ले टेस्ट में जायसवाल, गिल और पंत ने इंग्लैंड ने शतक लगाया। दूसरे दिन अपना पहला ओवर डाल रहे शोएब बशीर की पहली बॉल पर ऋषभ पंत ने गिरकर शॉट खेला और चौका लगाया। पंत ने गेंद को लेग स्लिप के ऊपर से स्कूप कर दिया और चौका जड़ दिया। शॉट खेलते-खेलते वह जमीन पर पीठ के बल गिर पड़े। इसी ओवर की पांचवीं बॉल पर पंत ने हुक शॉट खेलकर सिक्स भी लगाया।

भारतीय पारी के 100वें ओवर की पहली बॉल पंत ने बशीर को सिक्स लगाकर शतक पूरा किया। बशीर की ओवरपिच बॉल पर पंत आगे बढ़े, बल्ले से एक हाथ छूट गया, लेकिन फिर भी शॉट पूरा खेला और गेंद को लॉन्ग ऑन के ऊपर से शानदार छक्के के लिए भेज दिया। इसके बाद पंत ने एक्रोबेटिक तरीके से जंप लगाकर सेंचुरी सेलिब्रेट की।

पहलगाम हमला-

आतंकियों को पनाह देने वाले 2 लोग गिरफ्तार

- NIA ने पहलगाम से अरेस्ट किया
- आरोपियों ने बताया- आतंकी पाकिस्तानी नागरिक

पहलगाम. पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। NIA की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) से जुड़े हुए थे।

NIA के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराईं थी।

उल्हासनगर महानगर पालिका, उल्हासनगर
शहर अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांचे कार्यालय
ई- निविदा क्र. 12 ते 206 (2025-26)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात मुलभूत सोयी सुविधांचा विकास योजनेअंतर्गत विविध कामे करणेकरिता सार्वजनिक बांधकाम विभागामार्फत एकुण 196 कामांची दि. 23/06/2025 ते 30/06/2025 रोजी पर्यत या कालावधी मध्ये ई निविदा मागविण्यात येत आहे. त्याची माहिती खालीलप्रमाणे,

1. निविदा विक्री व स्विकृती दि.23/06/2025 ते 30/06/2025 रोजी सायंकाळी 4,00 वाजेपर्यत राहील.
2. शक्य झाल्यास सदर कामांचा पहिला लिफाफा (तांत्रिक भाग) दि.01/07/2025 रोजी सायंकाळी 4.00 वाजता ई-टेंडरिंग विभाग नागरी सुविधा केंद्रं येथे उघडण्यात येईल.
3. निविदा शासनाच्या https://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर विक्री व स्विकृती करता येईल.
4. निविदेबाबतची सविस्तर माहिती https://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.

टिप-: एक अथवा सर्व निविदा कोणतेही कारण न देता नाकारण्याचा किंवा निविदा रद्द करण्याचा अधिकार मा. प्रशासक तथा आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर यानी राखुन ठेवलेला आहे.

सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती https://mahatenders.gov.in/ या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

जा.क्रः उमपा/पीआरओ/161/2025
दिनांक :- 20/06/2025

सही/-
कार्यकारी अभियंता (सावांवि)
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे राज्य के ट्रांसपोर्टर

नवी मुंबई. राज्य के सभी ट्रांसपोर्टरों ने शनिवार को वाशी में एक बैठक में 2 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है, यह जानकारी ट्रांसपोर्टर बचाव कार्य समिति के संयोजक उदय बर्गे ने दी। इस संबंध में सभी ट्रांसपोर्टर संघों के पदाधिकारियों की बैठक माथाडी भवन में आयोजित की गई। उदय बर्गे ने कहा कि यह हड़ताल इसलिए की जाएगी ताकि सरकार चालकों से जबरन जुर्माना न वसूलने, जुर्माने की राशि कम करने, बकाया जुर्माना माफ करने, क्लीनर की बाध्यता समाप्त करने, व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश समय पर पुनर्विचार करने जैसी मांगों को स्वीकार करे। इस समय अरविंद निकम ने कहा कि उपरोक्त मांगों को पूरा करने के लिए बर्गे 16 जून से आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर हैं, लेकिन सरकार ने कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा है। इसलिए अब यह निर्णय लेना पड़ रहा है। अगर हम इसे हड़ताल कहते हैं, तो सरकार हमें कानून की धमकी देगी। इसलिए हम सरकार से कहेंगे कि हम हड़ताल पर नहीं जाएंगे, बल्कि स्वेच्छा से अपने वाहन पार्क करेंगे। अगर 10 दिनों के भीतर मांगों पर फैसला नहीं लिया जाता है, तो हम अपने वाहन जहां हैं, वहीं पार्क करेंगे।

मुआवजा नहीं मिला तो खोद डाली सड़क

14 गांवों से कट गया कनेक्शन

ठाणे. ठाणे जिले के खिडकली गांव में एक किसान का धैर्य उस वक्त जवाब दे गया जब सरकार ने उससे जमीन तो ले ली, लेकिन बदले में वादा किया गया मुआवजा नहीं दिया. यह जमीन एक महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के लिए ली गई थी, जिससे 14 गांवों को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण किया जाना था. किसान को विश्वास था कि उसे सरकार की तरफ से तय राशि मिल जाएगी, लेकिन महीनों इंतजार करने के बावजूद उसे कोई आर्थिक सहायता नहीं दी गई. इससे नाराज होकर किसान ने सड़क के बीचों-बीच खुदाई कर दी और रास्ता पूरी तरह जाम कर दिया.

किसान के इस कदम का सीधा असर क्षेत्र के 14 गांवों पर पड़ा है. उत्तरशिव खिडकली मार्ग, जो कल्याण-शील सड़क से इन गांवों को जोड़ता था, अब यातायात के लिए पूरी तरह बंद हो चुका है.

खिडकली, देसाई, पाडल, नागांव, नारिवली, दहिसर, वडवली, घेसर और दैघर जैसे गांवों के लोगों को अब रोजमर्रा की आवाजाही के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है. कई लोग काम पर देर से पहुंच रहे हैं, स्कूली बच्चों को दिक्कत हो रही है और आपातकालीन सेवाओं तक का रास्ता अब सीधा नहीं रहा.

सड़क बनी, लेकिन बिना इंसाफ के

सरकार ने इस सड़क का डामरीकरण कार्य कुछ महीने पहले शुरू किया था. सड़क तो बन गई, लेकिन जिस किसान की जमीन पर यह बनी, उसे न्याय नहीं मिला.

किसान ने पहले अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन जब किसी ने नहीं सुनी, तब उसने अपनी आवाज़ उठाने का तरीका बदला और सड़क के बीच गड्ढा खोद दिया. अब प्रशासन के लिए यह एक बड़ा संकट बन गया है, क्योंकि एक तरफ किसान का गुस्सा है और दूसरी तरफ आम लोगों की परेशानी.

स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वे इस मसले को जल्द से जल्द सुलझाएं. किसान को उसका मुआवजा मिले और गांवों के लोगों को फिर से सीधी सड़क मिले, यही सभी की मांग है.

रफ्तार से आगे बढ़ रहा बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

महाराष्ट्र में पहला फुल स्पैन बॉक्स गर्डर लॉन्च किया गया

डहाणू. नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) द्वारा मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के महाराष्ट्र खंड में साखरे गांव, दहानू (महाराष्ट्र) में 40 मीटर का पहला फुल स्पैन प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (PSC) बॉक्स गर्डर सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कॉरिडोर का महाराष्ट्र खंड 156 किलोमीटर लंबा है। इसमें शामिल हैं-

गर्डर का वजन लगभग 970 मीट्रिक टन

प्रत्येक 40 मीटर लंबे पीएससी बॉक्स गर्डर का वजन लगभग 970 मीट्रिक टन है, जो इसे भारत के निर्माण उद्योग में सबसे भारी बनाता है। इन गर्डरों को 390 क्यूबिक मीटर कंक्रीट और 42 मीट्रिक टन स्टील का उपयोग करके-बिना निर्माण जोड़ों के- एक एकल अखंड इकाई के रूप में ढाला जाता है। बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए पूर्ण-स्पैन गर्डर्स को प्राथमिकता दी जाती है, क्योंकि वे सेगमेंटल गर्डर्स की तुलना में 10 गुना अधिक तेजी से निर्माण कार्य को संभव बनाते हैं।

फुल-स्पैन प्री-कास्ट बॉक्स गर्डरों को विशेष स्वदेशी भारी मशीनरी जैसे स्ट्रैडल कैरियर्स, ब्रिज लॉन्चिंग गैंट्रीज, गर्डर ट्रांसपोर्टर्स और लॉन्चिंग गैंट्रीज का उपयोग करके लॉन्च किया जा रहा है। निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, गर्डरों को पहले से ही कास्ट किया जा रहा है और कास्टिंग यार्ड में व्यवस्थित रूप से स्टैक किया जा रहा है। शिलफाटा और गुजरात-महाराष्ट्र सीमा के बीच कुल 13 कास्टिंग यार्ड की योजना बनाई गई है, जिनमें से 5 वर्तमान में चालू हैं।

यह प्रमाणित तकनीक अप्रैल 2021 से बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए उपयोग में है, जिसने गुजरात में कुल 307 किमी पूर्ण हुए वायडक्ट में योगदान दिया है। हाल की उपलब्धियों में विरार और बोईसर स्टेशनों पर पहली स्लैब कास्टिंग शामिल है।

कामवारी नदी से जलकुंभी के निकालने का काम शुरू

जलकुंभी के हटाने से नदी का प्रवाह हुआ तेज

भिवंडी. भिवंडी शहर और ग्रामीण क्षेत्र की सीमा से होकर बहने वाली कामवारी नदी पूरी तरह से जलकुंभी नामक काई से भर गई है. पिछले 4 दिनों से हो रही बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ गया है और नदी के तेज बहाव के कारण जलकुंभी नदी के मुहाने पर बने पुल के नीचे फंस गई है. इससे शहर के नदी नाका, म्हाडा कालोनी, बारक्या कंपाउंड, फरीद बाग और ग्रामीण क्षेत्रों में नदी के किनारे के शेलार गांव इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा होने का डर था.विभिन्न मीडिया में इस बारे में खबर प्रकाशित होने के बाद भिवंडी मनपा प्रशासन की नींद खुली और शुक्रवार को मनपा प्रशासन ने पोकलेन की मदद से नदी के तल से जलभराव वाले पानी से जलकुंभी को निकालना शुरू कर दिया है.जल कुंभी हटने से अब जल प्रवाह सुचारू रूप से चलने में अब मदद मिल रही है.नदी से पानी का प्रवाह तेज होने से नदी के किनारे रहने वाले हजारों लोगों ने राहत की सांस ली है.

मुंबई में कैब ड्राइवर समेत 3 पर महिला पायलट से यौन शोषण का केस दर्ज

पति नौसेना में अधिकारी

मुंबई. मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन पर एक महिला पायलट के यौन शोषण के आरोप में मामला दर्ज किया है। घटना 19 जून की रात करीब 11:15 बजे की है, जब महिला पायलट साउथ मुंबई से अपने घर घाटकोपर जा रही थी। पुलिस ने BNS की धारा 75(1), 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

महिला ने बताया कि उसका पति नौसेना में अधिकारी है, लेकिन उन्हें अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। इस वजह से पति नौसेना के आवासीय परिसर में रहता है, जबकि वह घाटकोपर में रहती है।

महिला के मुताबिक कैब ड्राइवर ने 25 मिनट बाद रूट बदल दिया और दो अन्य पुरुषों को कैब में बैठा लिया। उनमें से एक पीछे की सीट पर महिला के पड़ोस में बैठा था। उसने महिला को गलत तरह से छुआ। जब महिला ने इसका विरोध किया तो शख्स ने उसे धमकाया। इस इस दौरान कैब ड्राइवर ने कुछ नहीं किया। आगे कुछ दूरी पर पुलिस की चेकिंग चल रही थी। यह देखकर दोनों पुरुष कैब से उतरकर भाग गए।

घर पहुंचने पर महिला ने ड्राइवर से उन पुरुषों को कैब में बैठाने की वजह पूछी तो ड्राइवर ने कोई जवाब नहीं दिया। अगले दिन सुबह जब महिला ने अपने पति को पूरी घटना बताई, तब दंपती ने घाटकोपर थाने में मामला दर्ज कराया।

एसएसटी महाविद्यालय में 50 दिवसीय राज्य स्तरीय योग क्रांति उपक्रम का भव्य समापन

साढ़े तीन लाख से अधिक प्रतिभागी

उल्हासनगर. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना से प्रेरित होकर, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में "योग सबके लिए" और "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" जैसे मूलमंत्र को अपनाते हुए, एसएसटी महाविद्यालय के प्रांगण में राज्य स्तरीय 50 दिवसीय योग क्रांति उपक्रम का भव्य समापन संपन्न हुआ।

इस उपक्रम का आयोजन आयुष मंत्रालय, उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना सेल, मुंबई विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल, आरोग्य योगा और नेचुरोपैथी सेंटर, एसएसटी महाविद्यालय,जीवन फाउंडेशन और जीवनदीप महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस 50 दिवसीय अवधि में महाराष्ट्र भर से 3.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों और नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लेकर नियमित योगाभ्यास किया।

इस नवाचारी उपक्रम का उद्घाटन राज्य के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री माननीय चंद्रकांतदादा पाटील के करकमलों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से हुआ था। इस उपक्रम की सफलता में मुरबाड-बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री किसन कथोरे, एनएसएस महाराष्ट्र-गोवा क्षेत्रीय निदेशक श्री अजय शिंदे, राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. निलेश पाठक, मुंबई विश्वविद्यालय एनएसएस के ओएसडी प्रो. सुशील शिंदे, एसएसटी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आरोग्य योगा और नेचुरोपैथी इंस्टिट्यूट के संस्थापक डॉ. विजय कुकरेजा, एनएसएस के ठाणे जिला समन्वयक एवं एसएसटी महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रो. जीवन विचारे का अमूल्य योगदान प्राप्त हुआ।

समापन समारोह में प्रस्तावना प्रा. जीवन विचारे ने की। मुख्य अतिथि डॉ. मिलिंद धारवाडकर ने इस उपक्रम के व्यापक प्रभाव की सराहना की। डॉ. विजय कुकरेजा ने आगामी शैक्षणिक वर्ष में योग के प्रचार-प्रसार की योजनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नेचुरोपैथी सेंटर की सह-संस्थापक श्रीमती सारिका कुकरेजा, श्री समीर पिंपलकर, उपप्राचार्य डॉ. दीपक गवादे, प्रा. देविदास जलकोटे, विभागीय समन्वयक डॉ. संदेश जायभाय, प्रा. नीरज मिश्रा, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन प्रा. नम्रता सिंह ने किया। इस आयोजन में कार्यक्रम अधिकारी प्रा. मयूर माथुर एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस उपक्रम को पूरे महाराष्ट्र से अपार प्रतिसाद प्राप्त हुआ और योग का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित प्रचार-प्रसार करने में आयोजक पूरी तरह सफल रहे।

नायजीरियन के पास से मिली 7 करोड़ की ड्रग्स!

मुंबई. महिला की पहचान ब्लेसिंग फेवर ओबोह के रूप में हुई है. जिसकी उम्र 23 साल है. DRI के अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक विदेशी महिला दिल्ली से मुंबई बस के जरिए ड्रग्स लेकर आ रही है. इसी सूचना के आधार पर DRI की टीम ने 50 किलोमीटर तक बस का पीछा किया. इस दौरान जैसे ही बस ब्रांद्रा के कलानगर पहुंची. टीम ने बस को रोककर महिला को हिरासत में ले लिया. इसके बाद महिला के ट्रॉली बैग की तलाशी ली गई. उसमें 2.56 किलोग्राम एम्फेटामिन और 584 ग्राम एक्स्टसी टैबलेट्स मिलीं. ये दोनों पदार्थ NDPS एक्ट के तहत प्रतिबंधित हैं. आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक ड्रग्स फूड पैकेट्स (ओट्स) और जूस के टेट्रा पैक में छिपाई गई थीं. ताकि किसी को शक न हो.

रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने पूछताछ में अपराध स्वीकार कर लिया. उसने बताया कि यह ड्रग्स स्मगलिंग एक हैंडलर के कहने पर कर रही थी. इसके बदले उसे पैसे देने की बात कही गई थी. DRI की जांच में कई अन्य लोगों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है. एजेंसी अब इस रैकेट के अन्य सदस्यों और मास्टरमाइंड तक पहुंचने की कोशिश कर रही है. DRI ने बताया कि एम्फेटामिन और एक्स्टसी जैसे ड्रग्स आमतौर पर रेव पार्टियों में इस्तेमाल किए जाते हैं. ये ड्रग्स इंडिया में प्रतिबंधित हैं. क्योंकि ये स्वास्थ के लिए अत्यधिक खतरनाक होते हैं.

कोर्ट के आदेश के बाद खारबांव चिंचोटी रोड पर फिर बंद हुई टोल वसूली

पहले जैसी ही खराब है खारबांव चिंचोटी रोड की हालत.

भिवंडी. भिवंडी तालुका की सभी सड़कें खस्ताहाल हैं. इसका असर वाहन चालकों और स्थानीय लोगों पर पड़ रहा है. मानकोली अंजुरफाटा खरबाव से चिंचोटी राज्य राजमार्ग की खस्ता हालत के कारण लोक निर्माण विभाग ने टोल वसूलने वाली निजी ठेकेदार सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर से सड़क को अपने अधीन लेकर और उसे टोल वसूलना बंद करने का आदेश दिया था.इसके खिलाफ सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था.उस समय कंपनी ने मांग की थी कि 100 दिनों के भीतर सड़क की मरम्मत की जाए और इस अवधि के दौरान टोल वसूलना जारी रखा जाए.हाईकोर्ट की अनुमति मिलने के बाद गुड़ी पड़वा के अवसर पर एक बार फिर सड़क मरम्मत का काम शुरू किया गया लेकिन 100 दिनों के भीतर सड़क की मरम्मत नहीं होने से इस मार्ग पर एक बार फिर टोल वसूली बंद कर दी गई है. मानसून में इस सड़क पर पड़े गड्ढों को कौन भरेगा, यह सवाल उठ रहा है और यहां के ग्रामीणों और वाहन चालकों को इस मानसून में गड्ढों से होकर ही सफर करना पड़ेगा.सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी, जिसे इस सड़क की मरम्मत और रखरखाव तथा टोल वसूलने का ठेका दिया गया उसने कभी भी इस सड़क की मरम्मत को गंभीरता से नहीं लिया इसलिए कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया और टोल वसूली बंद कर दी गई. कंपनी ने कोर्ट जाकर 100 दिन की डेडलाइन और सड़क मरम्मत की गारंटी ली, लेकिन उन 100 दिनों में भी उन्होंने सड़कों की मरम्मत नहीं की। जिसके कारण यहां के ग्रामीण और वाहन चालक फिर से गड्ढों से होकर यात्रा करने लगे हैं. स्थानीय ग्रामीण संघर्ष समिति के ज्ञानेश्वर (ओम) मुकादम ने कहा कि अब समय आ गया है कि स्थानीय विधायक सड़कों पर उतरें और गड्ढों को भरें.

'कालीधर लापता' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन की फिल्म 'कालीधर लापता' का ट्रेलर शनिवार को रिलीज कर दिया गया है। कहानी है एक ऐसे शख्स की जो परिवार में जमीन बंटवारे को लेकर हुए मनमुटाव के बाद घर छोड़कर चला जाता है। अब क्योंकि कालीधर के पास ना कोई फोन है, ना कोई फेसबुक, इंस्टा, ट्विटर हैंडल, तो ऐसे में उसे ढूंढना एक कड़ी चुनौती है। इधर परिवार के लोग कालीधर की तलाश में जुटे हैं, और उधर वह जा पहुंचा है एक ऐसे अनजान गांव में, जहां रहता है एक छोटा लड़का बल्लू।

यह लड़का बल्लू फूल बेचकर और अन्य छोटे-मोटे काम करके अपना गुजारा करता है। जब इसकी दोस्ती कालीधर से होती है तो वह कालीधर को जीने की एक नई उम्मीद देता है और उसे सिखाता है कि वो जिंदगी भर दूसरों के लिए जिया है, लेकिन अब वक्त आ गया है कि जब उसे अपने लिए जीना चाहिए। यह लड़का कालीधर को बिरयानी खाने से लेकर शराब पीने और बारात में नाचने जैसे तमाम ऐसे छोटे-छोटे काम करवाता है, जिन्हें कालीधर हमेशा से करना चाहता था, लेकिन किसी ना किसी वजह से नहीं कर पाया।

'कालीधर' की तलाश में उसके घरवाले

अब कालीधर की बेरंग जिंदगी में फिर से रंग लौट आए हैं, लेकिन इसी बीच उसे पता चलता है कि उसके परिवार के लोग उसे ढूंढ रहे हैं और फिर से अपने साथ वापस ले जाएंगे। क्या कालीधर लौटकर जाएगा? अगर हां तो उसके इस नन्हें दोस्त का क्या होगा? यही सब फिल्म की कहानी है। फिल्म का ट्रेलर काफी इंगेजिंग है और इसमें हर उस शख्स को अपनी जिंदगी दिखाई पड़ती है जो दुनिया की दौड़धूप से दूर कहीं दूर चला जाना चाहता है जहां वो अपने मन से जिंदगी जी सके। बात पब्लिक के रिएक्शन की करें तो लोगों को ट्रेलर पसंद आया है।

सड़क दुर्घटना में मौत के बाद भीड़ ने किया हमला

हमले में टोकावड़े पुलिसकर्मी घायल

कल्याण. ठाणे जिले में कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जिसके बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने पुलिसकर्मियों तथा उनके वाहनों पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

जिला ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने संख्या बताए बिना कहा कि शनिवार रात हुई इस घटना में महिलाओं सहित कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हो गए और उनके वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यहां घूमने आए लोगों को मालशेज घाट लेकर जा रही एक कार और एक मोटरसाइकिल के बीच मुरबाड क्षेत्र में टक्कर हो गई। मोटरसाइकिल पर तीन लोग सवार थे।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना की खबर मिलने के बाद कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कार सवारों को पकड़ लिया तथा उनकी बुरी तरह पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही टोकावाडे पुलिस मौके पर पहुंची और कार सवार लोगों को बचाकर पुलिस जीप में बिठाया।

2 प्राथमिकी दर्ज

अधिकारी ने बताया कि जब जीप पुलिस थाने की ओर जा रही थी तो गुस्साई भीड़ ने उस पर और अन्य पुलिस वाहनों पर हमला कर दिया। अधिकारी ने बताया कि घटना में कई पुलिसकर्मियों को चोटें आईं हैं और उनका स्थानीय अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि टोकावाडे पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं।

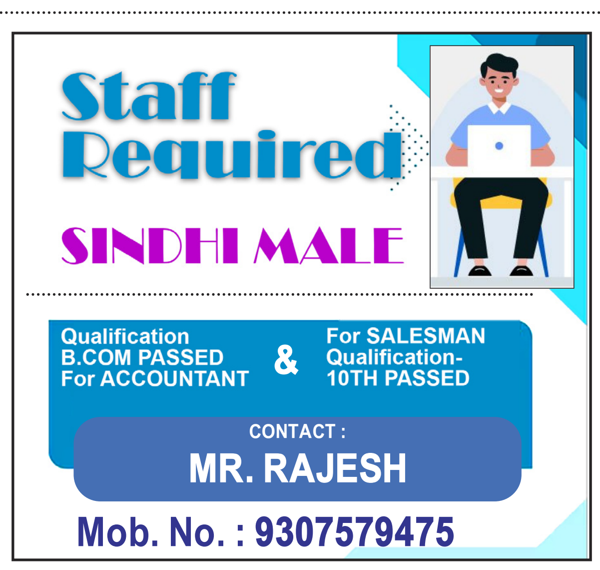

कोंकण जाने वाले गणेश भक्तों के लिए ठाणे स्टेशन पर दो अतिरिक्त आरक्षण खिड़कियाँ

सांसद नरेश म्हस्के के हाथों किया गया उद्घाटन

ठाणे. सांसद चुने जाने के एक साल के भीतर ही नरेश म्हस्के ने रेलवे से जुड़ी कई समस्याओं का समाधान किया है। पिछले 4 सालों से यात्री संघ द्वारा गणेशोत्सव के लिए ट्रेन से कोंकण जाने वाले के लिए ठाणे रेलवे स्टेशन पर टिकटों के लिए दो अतिरिक्त आरक्षण खिड़कियाँ खोलने की मांग लंबित थी। सांसद नरेश म्हस्के के प्रयास से आज से यह दो अतिरिक्त आरक्षण खिड़कियाँ खोली गई। मुंबई, ठाणे और उपनगरों में बसे कोकण वासी गणेशोत्सव शुरू होने से तीन महीने पहले से ही कोंकण जाने के लिए उत्सुक रहते हैं। कोंकण जाने के लिए रेल यात्रा सुविधाजनक है, इसलिए लाखों गणेश भक्त कोंकण रेलवे का विकल्प चुनते हैं। आरक्षण खिड़कियों की कमी के कारण गणेश भक्त अपना समय बर्बाद कर रहे थे और कतारों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस असुविधा को दूर करने के लिए प्रवासी संगठन ने मांग की थी कि ठाणे रेलवे स्टेशन पर कोंकण रेलवे टिकटों के लिए दो अतिरिक्त आरक्षण शुरू किए जाएं।यह दो अतिरिक्त आरक्षण खिड़कियां खिड़की क्रमांक 7 और 8 ठाणे रेलवे स्टेशन के पास मुख्य आरक्षण केंद्र पर 20 जून से 5 जुलाई के बीच खुली रहेंगी। आज 20 जून को सांसद नरेश म्हास्के ने इन दोनों खिड़कियों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर शिव सेना शहर प्रमुख हेमंत पवार, नगर संगठक भास्कर पाटिल, सचिव बाला गवस, रेलवे अधिकारी रंजीत झा, स्टेशन मास्टर केशव तावड़े सहित बड़ी संख्या में शिव सैनिक और युवा सेना, महिला अघाड़ी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099